Acid Attack Victims?

"Acid Attack Victims" means a person disfigured due to violent assaults by throwing of acid or similar corrosive substance.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Normally in this kind of attack, tissues get severely damaged due to chemical reactions. Sometimes, Acid reaches till bones resulting severe damages.
- Acid attacks have a catastrophic effect on human flesh and vital organs which takes a long time to be cured.

Causes / Prevention

- One sided marriage proposals
- Refusal for physical relations,
- Domestic violence
- Property disputes
- Dowry Harassments

- Pouring water after attack till burn control
- Using normal water (Not very cold or warm)
- Use clean water for avoiding any infection Provide Medical Aid as early as possible

Intervention

- **Now the section 357B has been newly inserted in Criminal Procedure Code**
- **357C has been newly inserted whereby all hospitals, public or private are required to provide first aid or medical treatment free of cost.**
- **The Supreme Court said that *"acid should be sold only to people who show a valid identity card. Buyers will also have explain why they need the chemical and sales will have to be reported to the police"***
- **Supreme Court enhanced compensation payable by state governments to acid attack victims to a uniform Rs 3 lakh from the earlier Rs 50,000 etc.**

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai
Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345
&
Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur
Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024
(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

तेजाबी आक्रमण पीड़ित?

"तेजाबी आक्रमण पीड़ित" से तेजाब या समान संक्षारित पदार्थ को फेंककर किए गए हिंसक हमले के कारण विदूपित कोई व्यक्ति अभिप्रेत है:

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- इस प्रकार के हमले में सामान्यतः त्वचा का ऊतक रासायनिक प्रतिक्रिया की वजह से बुरी तरह से नष्ट हो जाता है। कई बार त्वचा के साथ – साथ अम्ल का प्रभाव हडिडयों पर भी गंभीर रुप से पड़ता है।
- शरीर के नाजुक अंगो पर इसका प्रभाव अत्यधिक गम्भीर स्तर का होता है, जिसे ठीक होने में काफी समय लगता है।

कारण/बचाव

- वर्तमान आंकडों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हो जाता है कि सामान्यतः एकतरफा आकर्षण में विवाह प्रस्ताव अथवा शारीरिक सम्बन्ध बनाने के प्रस्तावों को अस्वीकृत करने पर इस तरह के घृणित कृत्य को अंजाम दिया जा रहा है।
- घरेलू हिंसा, जायदाद सम्बन्धी विवाद और दहेज उत्पीड़न के मामलों से भी इस तरह के वारदात हो रहे हैं।
- एसिड हमला होने की स्थिति में लगभग आधा घंटा अथवा जब तक जलन महसूस हो, लगातार पानी डालते रहें।
- पानी बहुत ठण्डा या बहुत गर्म नहीं होना चाहिए।
- संक्रमण से बचने के लिए साफ पानी का इस्तेमाल करें।
- जितनी जल्दी हो सकें, उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास करें।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- भारत सरकार के अपराधिक प्रकिया संहिता 1973 में अब धारा 357 (बी) को शामिल किया गया है, जिसके अनुसार – पीड़ित को 376 (डी) तथा धारा 326 के अन्तर्गत अपराधी द्वारा हर्जाने के रुप में मिली हुई रकम के अलावा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 357(ए) के तहत राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त मुआवजा प्रदान किया जायेगा।
- इसी संहिता के धारा 357 (बी) के अनुसार सभी अस्पताल, चाहे वह सरकारी हों या प्राईवेट, अम्लीय हमला के शिकार व्यक्तियों को निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा तथा उपचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें।
- सुप्रीम कोर्ट के द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशो के अनुसार – किसी भी व्यक्ति को एसिड खरीदने के लिए अब व्यक्तिगत पहचान पत्र दिखाना होगा। साथ ही विक्रेता को एसिड बिक्री से सम्बंधित जानकारी पुलिस स्टेशन को समय – समय पर देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एसिड हमले में राज्य सरकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली मुआवजा राशि को रु0 50,000 से बढाकर रु0 03 लाख कर दिया है।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

AUTISM SPECTRUM DISORDER ?

“Autism Spectrum Disorder” means a neuro-developmental condition typically appearing in the first three years of life that significantly affects a person ‘s ability to communicate. undertand relationships and relate to others and is frequenty associated with unusal or stereotypical rituals or behaviours.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Difficulty in Social Communication
- Problems with verbal and nonverbal communication
- Repetitive behaviors
- Poor eye contact
- Doesn't play with other children
- Difficulty interpreting other people's thoughts and feelings
- Difficulty interpreting facial expressions, body language, or social cues of others

Causes / Prevention

- There's no one cause of Autism Spectrum Disorder
- Having an immediate family member with autism
- Genetic mutations
- Fragile X syndrome and other genetic disorders
- Being born to older parents
- Low birth weight
- Metabolic imbalances
- Exposure to heavy metals and environmental toxins
- A history of viral infections
- Fetal exposure to some medications

Intervention

- Psychological assessment
- Behaviour Modification
- Family counseling
- Special education
- Speech therapy
- Occupational therapy
- Physiotherapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD’s
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

स्वपरायणता स्पैक्ट्रम विकार?

" स्वपरायणता स्पैक्ट्रम विकार " से एक ऐसी तंत्रिका विकास की स्थिति अभिप्रेत है जो विशिष्टतः जीवन के पहले तीन वर्ष में उत्पन्न होती है, जो व्यक्ति को संपर्क करने की, संबंधों को समझने की और दूसरों से संबधित होने की क्षमता को अत्यधिक प्रभावित करती है और आम तौर पर यह आप्रायिक या घिसे पिटे कर्म काण्डों या व्यवहार से सहबद्ध होता है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- सामाजिक संचार में कमी
- मौखिक और अमौखिक बात–चीत में समस्या
- किसी व्यवहार को बार–बार दोहराना
- आँख मिला कर कम देखना
- अन्य बच्चों के साथ नहीं खेलना
- अपनी बात को बता पाने में तथा समझा पाने में कठिनाई
- चेहरे के हाव भाव को समझने में कठिनाई

रोकथाम

- स्वलीनता का कोई स्पष्ट कारण नहीं है
- परिवार के किसी सदस्य में स्वलीनता होना
- गुण सूत्रों में परिवर्तन
- फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम एंव अन्य अनुवांशिक कारण
- माता–पिता का उम्रदराज होना
- जन्म के समय कम वजन का कम होना
- पाचन से संबंधित विकार
- पर्यावरणीय प्रदूषण
- विषाणुजन्य संक्रमण
- दवाओं का दुष्प्रभाव

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- मनौवैज्ञानिक जाँच
- व्यवहार परिमार्जन
- पारिवारिक परामर्श
- विशेष शिक्षा
- वाक् चिकित्सा
- व्यावसायिक चिकित्सा
- भौतिक चिकित्सा

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

BLINDNESS ?

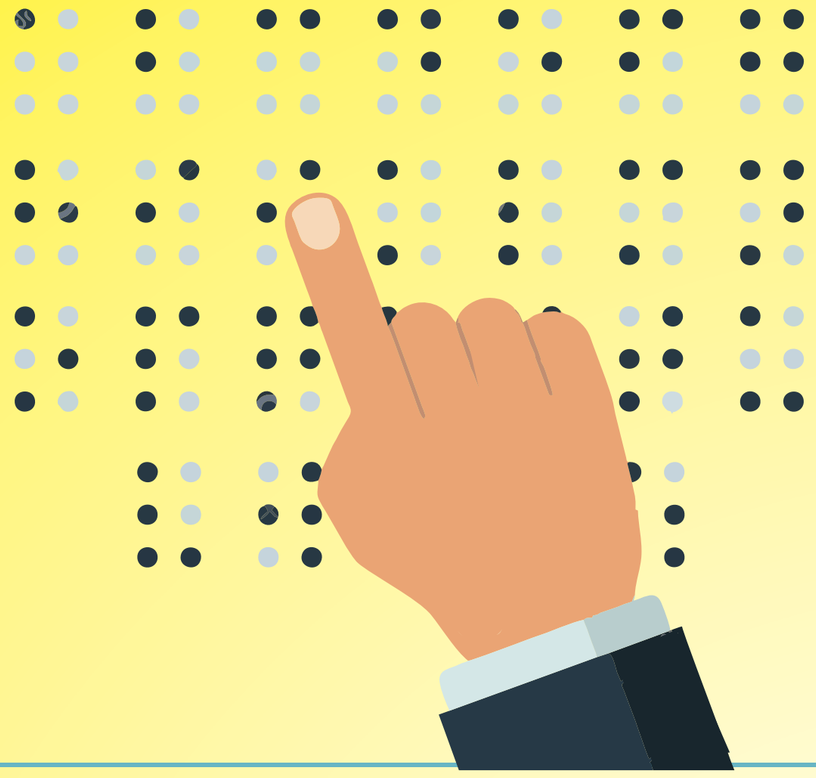

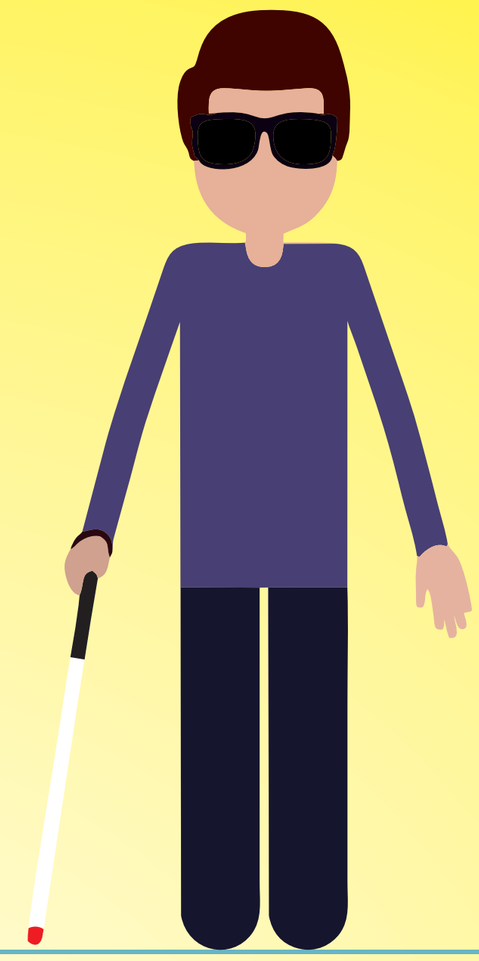

“Blindness” is a lack of vision. It may also refer to a loss of vision that cannot be corrected with glasses or contact lenses. Partial blindness means you have very limited vision. Complete blindness means you cannot see anything and DO NOT see light.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Difficulty to seeing things
- Discomfort in the eyes
- Awareness of the eyes
- Pain in the eyes
- Discharge from the eyes
- Infection of the cornea
- Cataract

Causes

- Diabetese
- Glaucoma
- Traumatic injuries
- Cataracts
- Inability to obtain any glasses.
- Infectious cause's trachoma
- Leprosy
- Vitamin A deficiency
- Hereditary diseases of the eye
- Chemical poisoning

Prevention

- Medical and surgical treatment of eye disease
- Dietary changes
- Cataract surgery
- Medication in the form of drops or pills.
- Corneal transplantation etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD’s
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

अंधता?

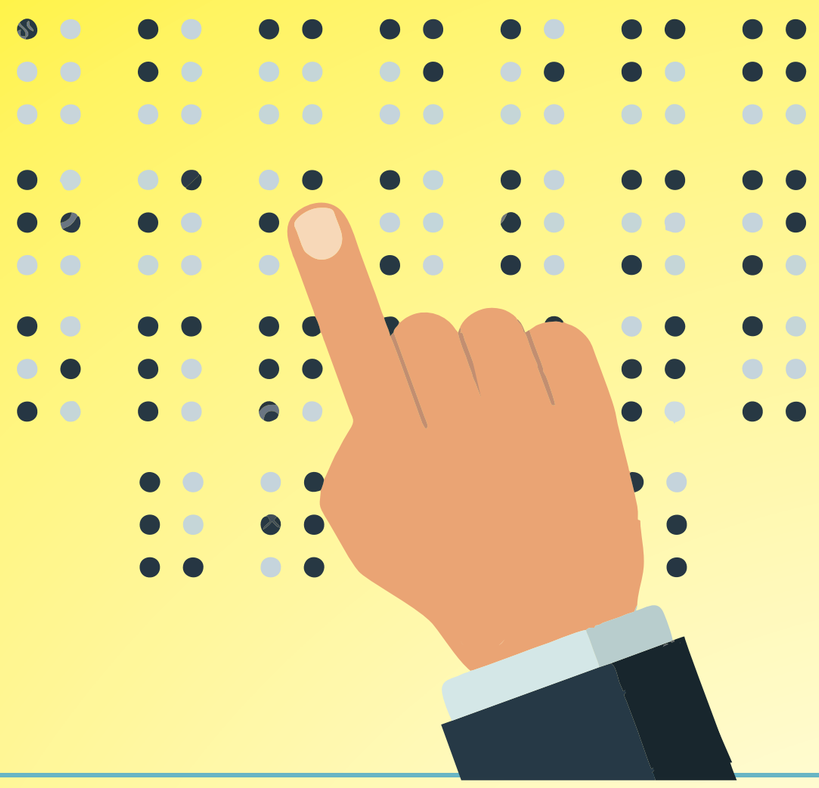

"अंधता" से ऐसी दशा अभिप्रेत है जिसमें सर्वोत्तम सुधार के पश्चात् व्यक्ति में निम्नलिखित स्थितियों में से कोई एक स्थिति विद्यमान होता है:–

(i) दृष्टि का पूर्णतया अभावः या

(ii) सर्वाधिक संभव सुधार के साथ बेहतर आंख में दृष्टि सुतीक्षणता 3/60 से कम या 10/200 (स्नेलन) से कमः या

(iii) 10 डिग्री से कम के किसी कोण पर कक्षांतरित दृश्य क्षेत्र की परिसीमाः

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- वस्तुओ को देखने में परेशानी।
- आँखो में असहज महसूस करना।
- आँखो में दर्द होना।
- आँखो से पानी बहना।
- कोरनिया मे संक्रमण।
- मोतियाबिन्द।

रोकथाम

- मधुमेह।
- गलुकोमा।
- चोट लगना।
- मोतियाबिन्द
- चश्मा न लगा पाना।
- संक्रमण
- कुष्ट रोग।
- विटामिन ए की कमी।
- आँखो की अनुवांशिक बीमारी
- रासायनिक प्रभाव

हस्तक्षेप/उपचार

- चिकित्सा और शल्य चिकित्सा
- उचित खानपान
- मोतियाबिन्द का आपरेशन
- आँखो में ड्राप के रुप में दवाईयों का प्रयोग
- कोरनिया का प्रत्यारोपण

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

CEREBRAL PALSY?

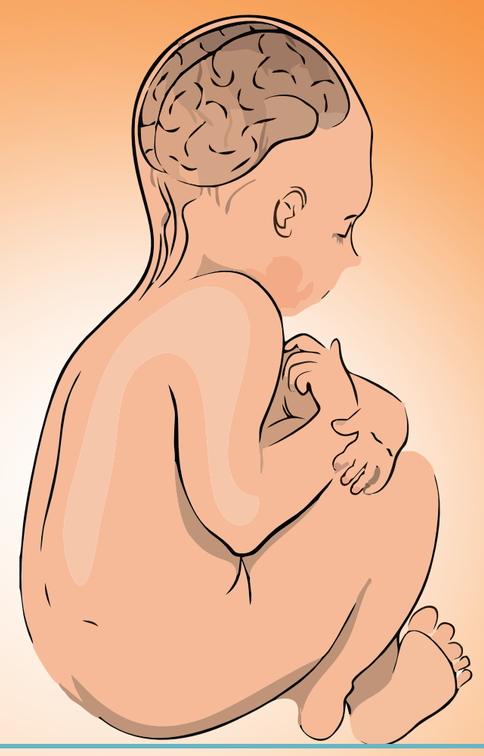

"Cerebral Palsy" means a Group of non-progressive neurological condition affecting body movements and muscle coordination, caused by damage to one or more specific areas of the brain, usually occurring before, during or shortly after birth

-RPWD Act, 2016

Identification

- Low muscle tone
- Unable to hold up his/her own head while lying on their stomach or in a supported sitting position
- Poor muscle control,reflexes & posture
- Delayed development Feeding or swallowing difficulties
- Prefers to use one side of their body
- Not walking properly
- Not speaking simple sentences

Prevention

- Getting vaccinated before trying to get pregnant
- Controlling underlying health issues, such as blood pressure, diabetes, etc.
- Intake healthy, hygienic and balanced diet advised by Nutritionist / Dietitian for healthy baby.
- Using the correct car seat for your child according to weight and height.
- Never leaving your child on high countertops or surfaces unattended

Intervention

- Medical/Surgical intervention
- Physiotherapy treatment (For maintain of muscle tone & strength, maintance of balance and posture)
- Orthotic service (AFO, KAFO, Splint, Surgicalshoe, Braceetc.& also provide gait training)
- Dietitian for balance diet
- Assistive device (elbow crutch, walker.
- Occupational therapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात ?

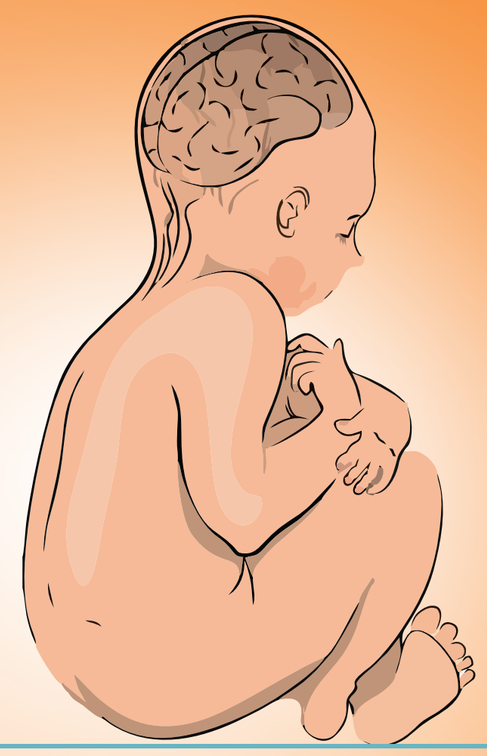

“प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात” से कोई गैर-प्रगामी तंत्रिका स्थिति का समूह अभिप्रेत है जो शरीर के संचलन को और पेशियों के समन्वय को प्रभावित करती है, जो मस्तिष्क के एक या अधिक विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में क्षति के कारण उत्पन्न होता है, जो साधारणतः जन्म से पूर्व, जन्म के दौरान या जन्म के तुरंत पश्चात् होता है ।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- मांसपेशियों का ढीलापन
- पेट के बल लेटकर सर को ऊपर उठाने में असमर्थ
- बैठने में असमर्थ
- मांसपेशियों का अनियंत्रण
- विलम्बित विकास
- खाने एवं निगलने में दिक्कत
- शरीर के एक ही हिस्से का उपयोग करना
- सही ढंग से न चल पाना
- साधारण शब्दों को न बोल पाना

रोकथाम

- गर्भवती होने से पहले टीकाकरण करवाना
- अनियंत्रित स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे रक्तचाप, मधुमेह को नियंत्रित करना
- स्वास्थ्यवर्धक, स्वच्छ एवं नियंत्रित खान-पान
- कार में बच्चों के लिए उचित सीट बेल्ट का उपयोग
- बच्चों को कभी ऊँचाई एवं असमतल जमीन पर न छोंड़ें

उपचार

- चिकित्सा एवं सर्जिकल हस्तक्षेप
- भौतिक चिकित्सा (मांसपेशियों के टोन एवं शक्ति को बनाये रखने के लिए)
- ऑर्थोटिक सेवाए[३]
- आहार विशेषज्ञ द्वारा उचित एवं संतुलित आहार का परामर्श
- सहायक उपकरण (एल्बो क्रच, वाकर इत्यादि)
- व्यावसायिक चिकित्सा इत्यादि

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

बधिरांधता ?

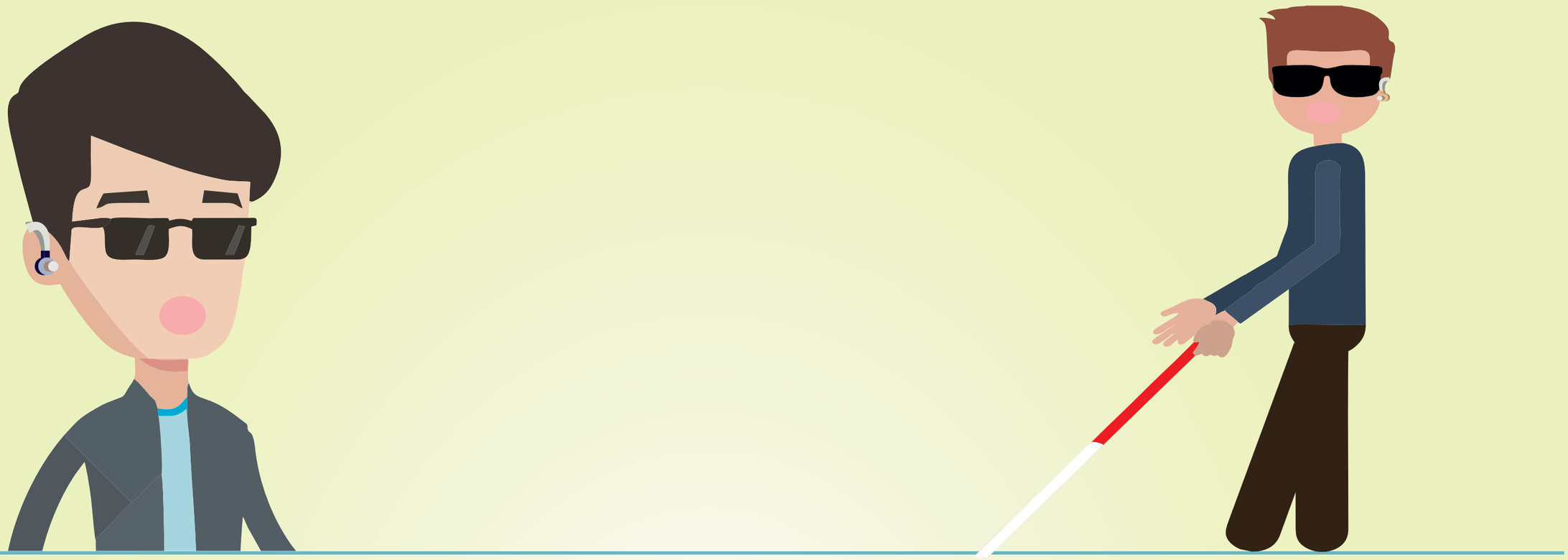

"बधिरांधता" जिसके अंतर्गत बधिरता, अंधता, जिससे कोई ऐसी दशा जिसमें किसी व्यक्ति के श्रव्य और दृश्य के सम्मिलित ह्रास के कारण गंभीर संप्रेषण, विकास और शिक्षण संबंधी गंभीर दशाएं अभिप्रेत है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- देख कर व सुन कर किसी काम को करने में परेशानी महसूस करता है।
- तेज अथवा धीमी आवाज होने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है अथवा देर से देता है।
- चलते समय सामने रखी वस्तुओं से बार – बार टकराता है।
- रंग वाले खिलौनो के प्रति आकर्षित नहीं होता है।
- अपने पास आती हुई या दूर जाती हुई वस्तुओं को ध्यान से नहीं देखता है।
- आँखों तथा कान में कोई स्पष्ट बनावट सम्बन्धी दोष दिखाई देता है।

कारण/रोकथाम

- डाउन्स सिन्ड्रोम
- चार्ज सिन्ड्रोम
- अशर सिन्ड्रोम
- फीटल अल्कोहल सिन्ड्रोम
- रुबेला
- सिफिलिस
- गर्भावस्था के दौरान का संक्रमण
- इसके अलावा कुपोषण, गंभीर रुप से मानसिक अथवा शारीरिक अघात, प्रसव कालीन समस्या, जन्म के समय देर से रोना, लम्बे समय तक तेज बुखार रहना, पीलिया रोग हो जाना, जन्म के समय पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन का न मिलना, प्रसव काल लम्बा होना, जन्म के समय बच्चे का पोजीशन उल्टा होना इत्यादि।
- राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय आयोडीन डिफिसीएन्सी डिसऑर्डर कन्ट्रोल प्रोग्राम ।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम।
- जेनेटिक काउंसलिंग।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों जैसे सुनना / बोलना, देखना, चलना, बुद्धि विकास इत्यादि का विस्तृत आकलन एवं आवश्यकता आधारित नियोजन।
- व्यक्तिगत शिक्षण / प्रशिक्षण योजना बनाना।
- मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं व्यवहार परिमार्जन।
- एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्वतन्त्र रुप से सुरक्षित होकर चलने का प्रशिक्षण
- विशेष शिक्षा आदि ।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

DEAFBLINDNESS ?

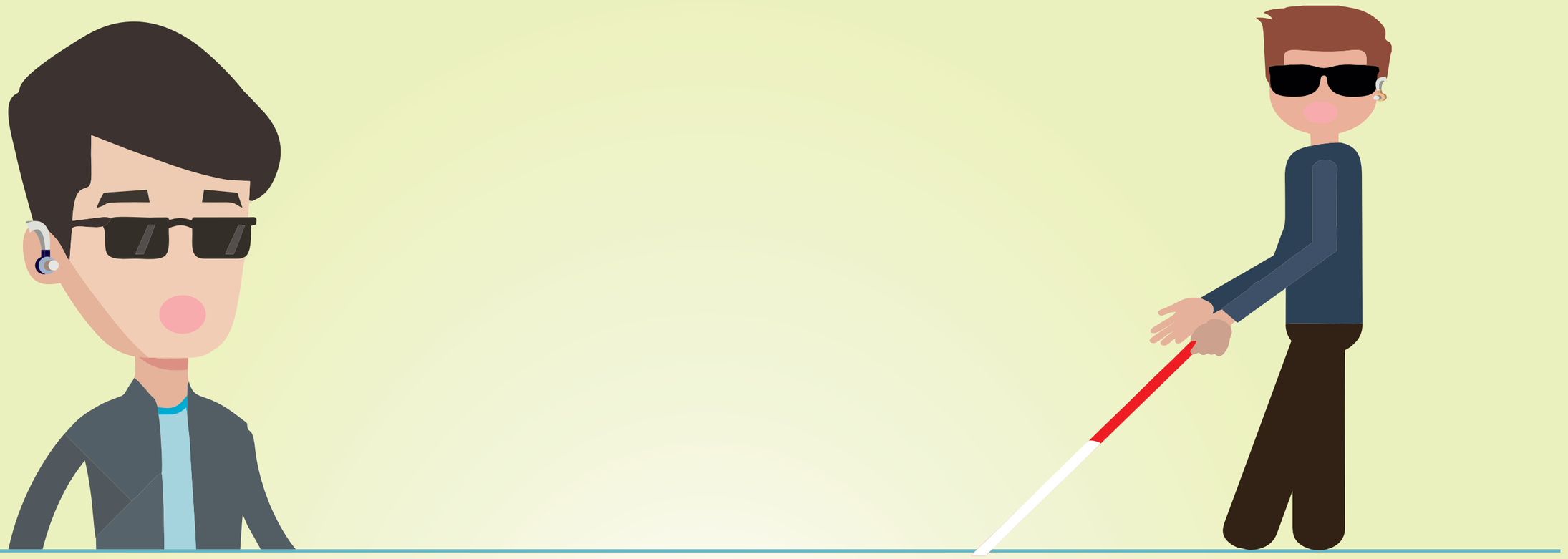

“Deafblindness” which means a condition in which a person may have combination of hearing and visual impairments causing severe communication, developmental, and educational problems.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Deafblindness
- Difficulty in completion of work
- Difficulty in completion of work by listening & seeing
- No or slow response
- No attraction towards colourful objects
- Deficiency in anatomy of eye and ear
- No/ Poor attention to close objects

Causes / Prevention

- Down's Syndrome
- Fetal Alcohol Syndrome
- CHARGE Syndrome
- USHER Syndrome
- Rubella
- Syphilis
- Malnutrition
- Severe Mental / Physical Trauma
- National Immunization Program
- National Iodine Deficiency Disorder Control Program
- Genetic Counseling

Intervention

- Need Based Planning / Assessment of different developmental area such as Hearing, Speech, Vision, Mobility, Cognitive development etc.
- Individualized Educational Plan
- Psychological Counselling & Behaviour Modification
- Orientation & Mobility Training etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD’s
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

DWARFISM ?

“Dwarfism" means a medical or genetic condition resulting in an adult height of 4 feet 10 inches (147 centimeters) or less;

-RPWD Act, 2016

Identification

- A very short trunk
- A short neck
- Shortened arms and legs
- Average-size hands and feet
- Broad, rounded chest
- Slightly flattened cheekbones
- Opening in the roof of the mouth (cleft palate)
- Hip deformities that result in thighbones turning inward
- A foot that's twisted or out of shape
- Instability of the neck bones
- Vision and hearing problems
- Arthritis and problems with joint movement

Prevention

- Metabolic and hormonal disorders
- Growth hormone deficiency
- Syndromic conditions etc.
- Proper testing during pregnancy

Intervention

- Correct the direction of bone growth
- Stabilize the spine
- Increase the channel in the vertebrae surrounding the spinal cord to relieve pressure on the spinal cord
- Hormone therapy
- Physiotherapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD’s
- District Education Officer

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

बौनापन ?

"बौनापन" से कोई चिकित्सीय या आनुवांशिक दशा अभिप्रेत है जिसके परिणामस्वरुप किसी व्यस्क व्यक्ति की लंबाई चार फीट दस इंच (147 से0मी0) या उससे कम रह जाती है ।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- एक बहुत छोटा ट्रंक।
- एक छोटी गर्दन।
- छोटे हाथ और पैर।
- चौड़ी गोल छाती।
- थोड़ा चपटा चीक बोन्स।
- मुँह की छत (भंग तालु) खुला रहना।
- कुल्हे की विकृति के परिणाम से जांधो का अंदर की और मुड़नां।
- पैर जो आकार में मुड़ा या निकला हुआ हो।
- गर्दन की हडिड्यों की अस्थिरता।
- दृष्टि और सुनने की समस्या।
- गठिया और जोड़ो की गतिशीलता की समस्याए।?

कारण

- मेटाबोलिक और हार्मोनल विकार।
- विकास हार्मोन की कमी।
- सिन्ड्रोमिक स्थिलिया आदि।
- गर्भावस्था के दौरान उचित परीक्षण।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- हडडी की विकास की दिशा को सही करें ।
- रीढ़ को स्थिर करें।
- रीढ़ की हडडी में दबाव को कम करें।
- हार्मोन थैरेपी।
- भौतिक चिकित्सा आदि।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फी नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

श्रवण बाधिता ?

(क) "बधिर" से दोनो कानों में संवाद आवृत्यों में 70 डेसिविल श्रव्य ह्रास वाले व्यक्ति अभिप्रेरित है "

(ख) "ऊंचा सुनने वाला व्यक्ति" से दोनों कानों से संवाद आवृत्यों में 60–70 डेसिविल श्रव्य ह्रास वाले व्यक्ति अभिप्रेरित है "

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- सीमित/कम वाक/ एवम् भाषा का उपयोग करना
- ध्वनि के प्रति असंगत प्रतिक्रिया करना
- टी.वी. के आवाज को तेज करके सुनना
- बातचीत के दौरान जबाव देने मे विफल होना
- सवाल का सही जबाव नहीं दे पाना
- वातावरण के शोर के दौरान किसी भी व्यक्ति के नाम का जबाव न दे पाना

रोकथाम

- कभी भी नुकीली वाली वस्तु का उपयोग कान साफ करने में न करें
- कान के दर्द या बहने को नजरंदाज न करें
- शोरगुल से दूर रहना
- रिश्तेदारी मे शादी न करना
- प्रसव के दौरान गर्भवती महिला को स्वास्थ संबंधित समय समय पर जांच कराना
- कान के रोग संक्रमण को रोकना

हस्तक्षेप/उपचार

- चिकित्सीय/शल्य चिकित्सीय उपचार करना
- श्रवण यंत्र / कॉकलियर इम्पलांट का उपयोग करना
- सहायक श्रवण यंत्र का उपयोग करना
- आवृत्ति मोडलेशन प्रणाली का उपयोग करना
- इंडकशन लूप सिस्टम का उपयोग करना
- टेलीटाइप राइटर का उपयोग करना
- संकेत भाषा का उपयोग करना

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै
वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345
एवं
समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर
ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024
(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

HEARING IMPAIRMENT ?

Deaf

“Deaf" means persons having 70 DB hearing loss in speech frequenciesin both ears.

Hard of Hearing (HOH)

"Hard of Hearing" means person having 60 DB to 70 DB hearing loss inspeech frequencies in both ears.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Limited, poor or no speech
- Inconsistent response to sound
- Seems to need high volume of TV
- Fail to respond to conversation level of speech
- Inappropriate answers
- Fail to respond his./her name easily frustrated when there is lots of background noise

Prevention

- Do not use sharp object to clean your ears.
- Do not neglect earache or ear discharge
- Avoid Noise
- Avoid marriage between close relatives
- Take good cares of health during pregnancy
- Prevent Ear infections.

Intervention

- Medical/Surgical Interventions of ENT
- Use of Hearing aid/Cochlear Implant
- Use of Assistive Listening devices
- FM system
- Induction Loop Induction
- Tele typewriter
- Sign Language etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD’s
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

हेमोफीलिया ?

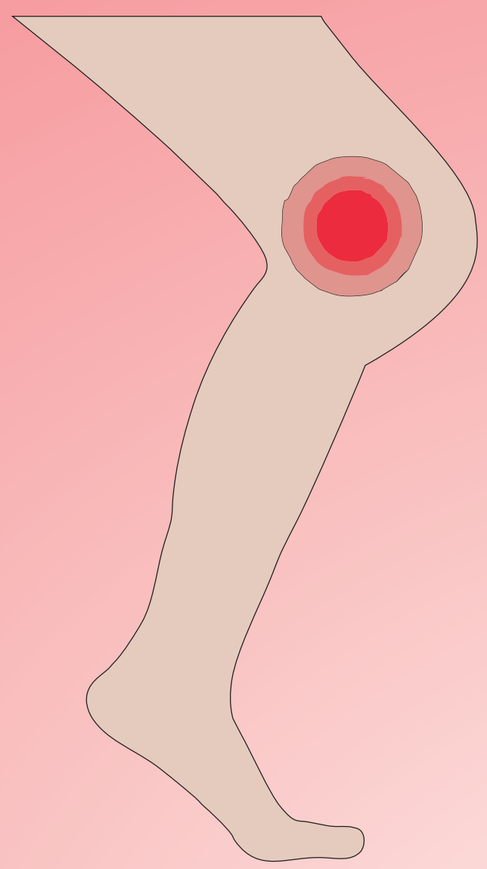

HEMOPHILIC BLOOD VESSEL

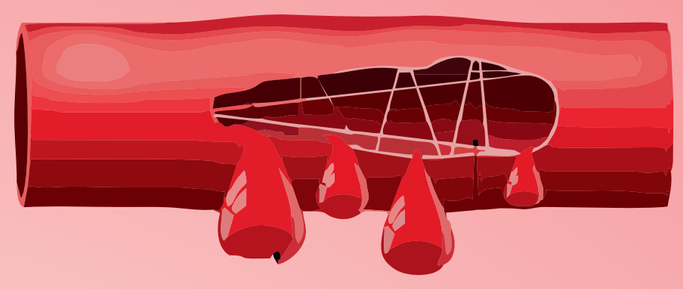

NORMAL BLOOD VESSEL

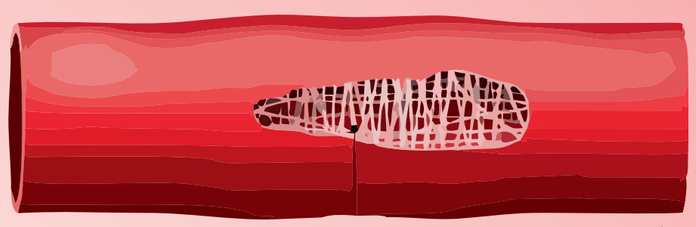

"हेमोफीलिया" से एक आनुवंशकीय रोग अभिप्रेत है जो प्रायः पुरुषों को ही प्रभावित करता है
किंतु इसे महिला द्वारा अपने नर बालको को संचारित किया जाता है, इसकी विशेषता रक्त के थक्का
जमने की साधारण क्षमता का नुकसान होना है जिससे छोटे से घाव का परिणाम भी घातक रक्तस्त्राव हो सकता है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- पेशाब के साथ खून आना।
- मल के साथ खून आना।
- गहरी चोट।
- गहरा घाव।
- अत्याधिक रक्तस्राव ।
- मसूडों से खून आना।
- अकसर नाक से खून निकलना।
- जोड़ों में दर्द।
- जोड़ों में तनाव।
- चिड़चिड़ापन (विशेष कर बच्चों में)

कारण

- सामान्यतया यह एक अनुवांशिक विकार है।
- एक्स क्रोमोसोम्स में थक्के जमना।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- रक्त परीक्षण।
- भौतिक परीक्षण।
- चिकित्सकों द्वारा विशेष हस्तक्षेपण

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

HEMOPHILIA ?

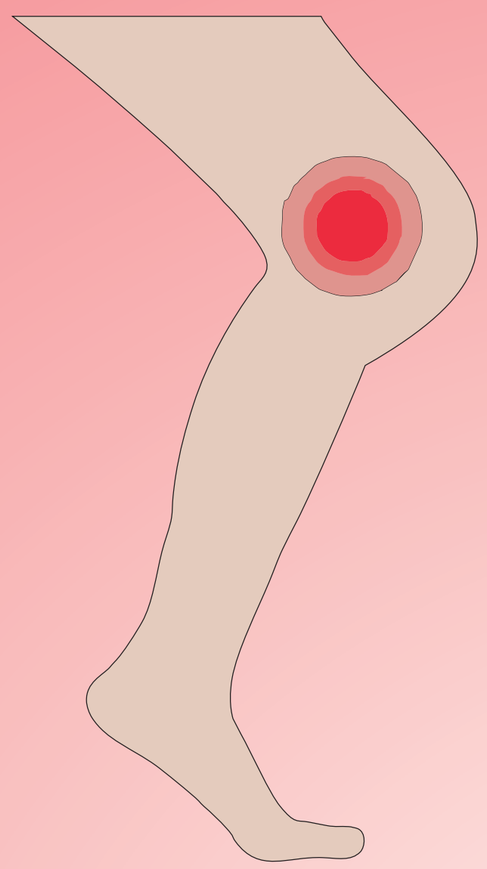

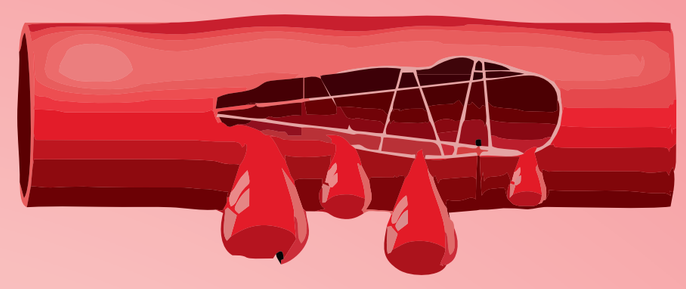

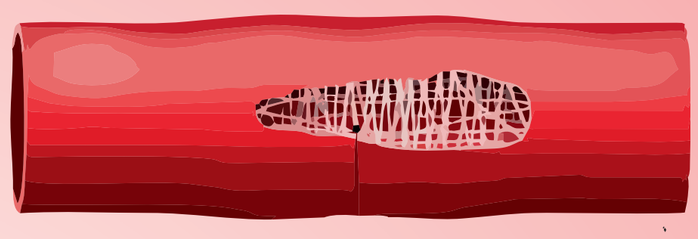

"Hemophilia" means an inheritable disease, usually affecting only male but transmitted by women to their male children, characterized by loss or impairment of the normal clotting ability of blood so that a minor would mayresult in fatal bleeding;

-RPWD Act, 2016

Identification

- Blood in the urine
- Blood in the stool
- Deep bruises
- Large, unexplained bruises
- Excessive bleeding
- Bleeding gums
- Frequent nosebleeds
- Pain in the joints
- Tight joints
- Irritability (in children)

Causes

- Hemophilia is normally an inherited disorder
- Clotting factor genes on the X chromosome

Intervention

- Blood tests
- Physical examination
- Special intervention by medical professionals etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

©Copyright of :
National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai
Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345
&
Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur
Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024
(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

INTELLECTUAL DISABILITY?

"Intellectual Disability", a condition characterized by significant limitation both in intellectual functioning (reasoning, learning, problem solving) and in adaptive behavior which covers a range of every day, social and practical skills.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Rolling over, sitting up, crawling, or walking is delayed or late
- Talking late or lack of clarity of speech
- Slow to learn things example- buttoning, feeding self, dressing, bathing etc.
- Difficulty remembering things
- Inability to connect actions with consequences
- Difficulty with problem-solving or logical thinking
- Behavior problems such as hitting others, throwing things etc.

Causes / Prevention

- Genetic conditions.
- Problems during pregnancy. (factors that affect fetal brain development include alcohol or drug use, malnutrition, certain infections etc.)
- Problems during childbirth. (deprived of oxygen during childbirth)
- Illness or injury. (Infections like meningitis, whooping cough etc)
- Severe head injury (extreme malnutrition, infections in the brain, exposure to toxic substances such as lead, and severe neglect or abuse)
- Unknown causes (In two-thirds of all children who have intellectual disability, the cause is unknown).

Intervention

- Psychological assessment
- Special education
- Speech therapy
- Occupational therapy
- Physiotherapy
- Family counseling etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

बौद्धिक दिव्यांगता?

"बौद्धिक दिव्यांगता " से ऐसी स्थिति जिसकी विशेषता बौद्धिक कार्य (तार्किक, शिक्षण, समस्या समाधान,) और अनुकूलित व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण कमी होना है जिसके अन्तर्गत दैनिक सामाजिक और व्यवहार कौशलों की रेंज है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- पलटना, बैठना, रेंगना या चलना
- देर से बोलना या भाषा की स्पष्टता की कमी
- चींजे धीमी गति से सीखना, उदाहरण – बटन लगाना, स्वयं खाना, कपड़े पहनना, स्नान करना आदि
- चींजों को याद रखनें में कठिनाई
- कार्य/किया को परिणाम से जोड़ने में असमर्थता
- समस्या सुलझाने में कठिनाई या तार्किक सोच में कठिनाई
- व्यावहारिक समस्या जैसे दूसरों को मारना, चीजों को फेंकना आदि

रोकथाम

- अनुवांशिक स्थिति
- गर्भावस्था के दौरान समस्या
- ऐसे कारक जो भ्रूण के मस्तिष्क को प्रभावित करें जिसमें शराब या नशीली दवाओं का उपयोग, कुपोषण, कुछ विशेष संक्रमण आदि
- बच्चे के जन्म के समय समस्या (जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी), बीमारी या चोट (मैनेन्जाइटिस, खांसी जैसे संक्रमण)
- सिर में गंभीर चोट (कुपोषण, मस्तिष्क में अत्यधिक संक्रमण)
- विशाक्त पदार्थ के सम्पर्क में होना जैस शीशा गंभीर उपेक्षा और शोषण)
- अज्ञात कारण (प्रत्येक दो तीन बच्चों में जिनको बौद्धिक अक्षमता होती है उनमें कारण अज्ञात होते है)

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन
- विशेष शिक्षा
- वाक् चिकित्सा
- व्यावसायिक चिकित्सा
- चिकित्सा
- पारिवारिक परामर्श

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

कुष्ठ रोगमुक्ति व्यक्ति ?

"कुष्ठ रोगमुक्ति व्यक्ति" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो कुष्ठ से रोगमुक्त हो गया है। किंतु निम्नलिखित से पीड़ित है–

(i) हाथ या पैरों में सुग्राहीकरण का ह्रास के साथ–साथ आंख और पलक में सुग्राहीकरण का ह्रास और आंशिक घात किंतु व्यक्त विरुपता नही है:

(ii) व्यक्त विरुपता और आंशिक घात किंतु उसके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता है जिससे वह सामान्य व्यावासायिक क्रियाकलापों में लगे रहने के लिए सक्षम है:

(iii) अत्यंत शारीरिक विरुपता के साथ–साथ वृद्ध जो उसे कोई लाभप्रद व्यवसाय करने से निवारित करती है और "कुष्ठ रोगमुक्ति व्यक्ति" पद का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- सुन्न होना।
- तापमान की संवेदना न होना।
- स्पर्श संवदेना कम होना।
- पिन और सुई चुभने पर संवेदना महसूस करना।
- जोड़ों में दर्द।
- तेज दबाव में संवेदना कम, ज्यादा या बिल्कुल न महसूस करना।
- नसों की क्षति होना।
- वजन घटना।
- छाले या चकत्ते पडना।
- दर्द रहित नासूर होना ।
- त्वचा में घाव के परिणाम स्वरुप त्वचा का समतल हो जाना, त्वचा का असली रंग खो जाना तथा पीलापन आना

रोकथाम

- विश्व स्वास्थ्य संगठन, मल्टी ड्रग्स थैरेपी के अन्तर्गत कुष्ट रोगियों के लिए प्रमुख रूप से तीन प्रकार की दवाईयों की सलाह देता है।
- रिफैम्पिसिन
- कलोफाजिमाइन
- डेपसोन

हस्तक्षेप/उपचार

- मेडिकल और शल्यचिकित्सा ।
- खानपान में बदलाव।
- बी0सी0जी0 टीकाकरण।
- बूंदो या गोलियों के रुप में दवा।
- नेत्रपटल प्रत्यारोपण।
- मल्टी ड्रग्स थैरेपी आदि।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

LEPROSY CURED PERSON ?

"Leprosy Cured Person" means a person who has been cured of leprosy but is suffering from :

(i) Loss of sensation in hands or feet as well as loss of sensation and paresis in the eye and eye-lid but with no manifest deformity;

(ii) Manifest deformity and paresis but having sufficient mobility in their hands and feet to enable them to engage in normal economic activity;

(iii) Extreme physical deformity as well as advanced age which prevents him/her from undertaking any gainful occupation,and the expression "leprosy cured" shall construed accordingly;

-RPWD Act, 2016

Early Symptoms & Signs

- Numbness
- Loss of temperature sensation
- Touch sensation reduced
- Pins and needles sensations
- Pain (joints)
- Deep pressure sensations are decreased or lost
- Nerve injury
- Weight loss
- Blisters and/or rashes
- Ulcers, relatively painless
- Skin lesions of hypopigmented macules (flat, pale areas of skin that lost color)

Treatment

- The drugs used in the WHO's MDT for multibacillary patients include 3 mycobactericidal drugs, namely:
- Rifampicin
- Clofazimine
- Dapsone

Prevention

- Medical and surgical treatment
- Dietary changes
- BCG vaccination
- Medication in the form of drops or pills.
- Corneal transplantation
- Multi drug therapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

LOCOMOTOR DISABILITY?

A person's inability to execute distinctive activities associated with movement of self and objects resulting from affliction of musculoskeletalor nervous system or both

-RPWD Act, 2016

Identification

- The child is not able to raise both the arms fully without any difficulties.
- The child is not able to grasp objects without any difficulty.
- The child has absence of any part of the limb.
- The child has a difficulty in walking.

Any deviation or slowness in a child's developmental milestones.

Excessive stiffness or floppiness of child.

Use of limbs of only one side of the body.

Prevention

- Primary prevention is directed at avoidance and uses interventions that prevent health conditions from occurring
- Secondary prevention is the early detection and early treatment of health conditions, with the aim of curing or lessening their impacts
- Tertiary prevention aims to limit or reverse the impact of already existing health conditions and impairments

Intervention

- Maintaining the full mobility or range of movement of the joints .
- Improving the muscle power in the affected limbs.
- Restoring the function of the affected limb (Prosthesis) by appropriate training.
- Providing splints or calipers if needed.
- Management of spasticity & pain
- Prevent deformity and contracture etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

गतिविषयक् दिव्यांगता ?

''गतिविषयक् दिव्यांगता'', सुनिश्चित गतिविधियों को करने में किसी व्यक्ति की असमर्थता जो स्वयं और वस्तुओ की गतिशीलता से सहबद्ध है जिसका पेशीककाल और तंत्रिका प्रणाली या दोनों में पीड़ा है ।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- बच्चा दोनों हाथ उठानें में सक्षम नही होता है।
- बच्चा बिना किसी कठिनाई के वस्तुओं को पकड़ नही पाता हैं।
- बच्चे के शरीर में किसी अंग का ना होना।
- बच्चे को चलने में समस्या महसूस करना।
- चाल मे धीमापन।
- विकासात्मक मापदण्डों में अवरोध।
- अत्याधिक अकड़न या ढ़ीलापन होना।
- शरीर की किसी एक दिशा का ज्यादा प्रयोग करना।

रोकथाम

- प्राथमिक रोकथाम के अर्न्तगत ऐसे हस्तक्षेपों का उपयोग करता है जो स्वास्थ्य की खराब स्थिति को रोकता है।
- द्वितीयक रोकथाम के अर्न्तगत शीध्र पहचान तथा उपचार शामिल है जो समस्या के दुष्प्रभाव को कम करता है।
- तृतीयक रोकथाम का लक्ष्य पहले से मौजूद स्वास्थ्य स्थितियों और दुर्बलताओं के प्रभाव को सीमित करना।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- जोड़ों की गतिशीलता को बनाये रखना।
- प्रभावित अंगो के मांसपेशियों की शक्ति में सुधार करना।
- प्रभावित अंग की पुनर्स्थापना में प्रोस्थेटिस की सहायता लेना।
- आवश्यकतानुसार स्पिलंट या कैलीपर प्रदान करना।
- अकड़न और दर्द का प्रबंधन।
- विकृति और संकुचन को रोकना।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

LOW - VISION?

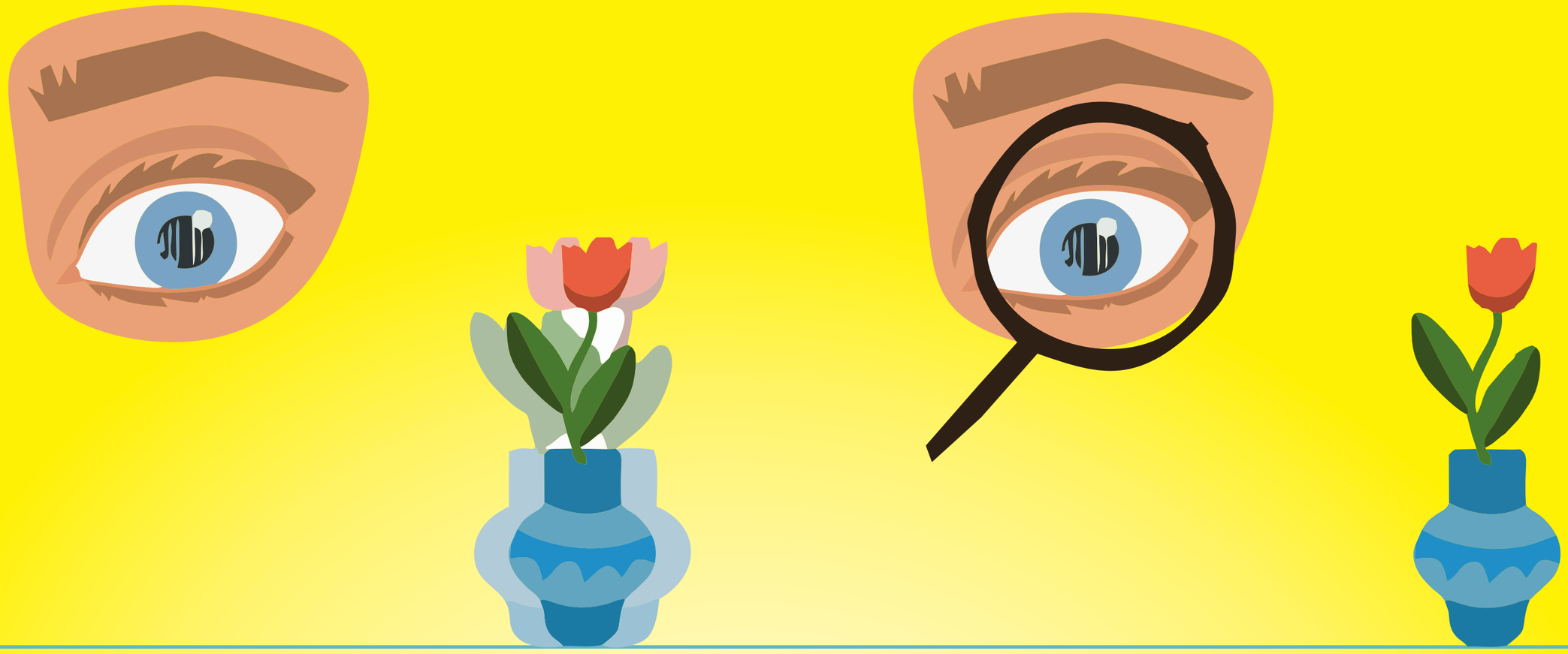

"Low-Vision" means a condition where a person has any of the following conditions, namely:

(i) visual acuity not exceeding 6/18 or less than 20/60 upto 3/60 or upto 10/200 (Snellen) in the better eye with best possible corrections; or (ii) limitation of the field of vision subtending an angle of less than 40 degree up to 10 degree.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Red eyes
- Watery eyes
- Nystagmus
- Strabismus
- Seeing by one eyes after tilting the head
- Trying to see any object or book closely
- Irritation in eyes
- Blurred vision

Causes / Prevention

- Macular Degeneration
- Cataracts
- Glaucoma
- Diabetic Retinopathy
- Retinitis Pigmentosa
- Amblyopia
- Retinopathy of Prematurity
- Retinal Detachment

- Using Large fonts
- Performing Tasks in proper light

Intervention

- Maintain proper lighting
- Keep objects in proper distance
- Using Magnifiers & Softwares
- Creating barrier free environment
- Contact ophthalmologist for eye problems
- Regular eye testing etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

निम्न दृष्टि ?

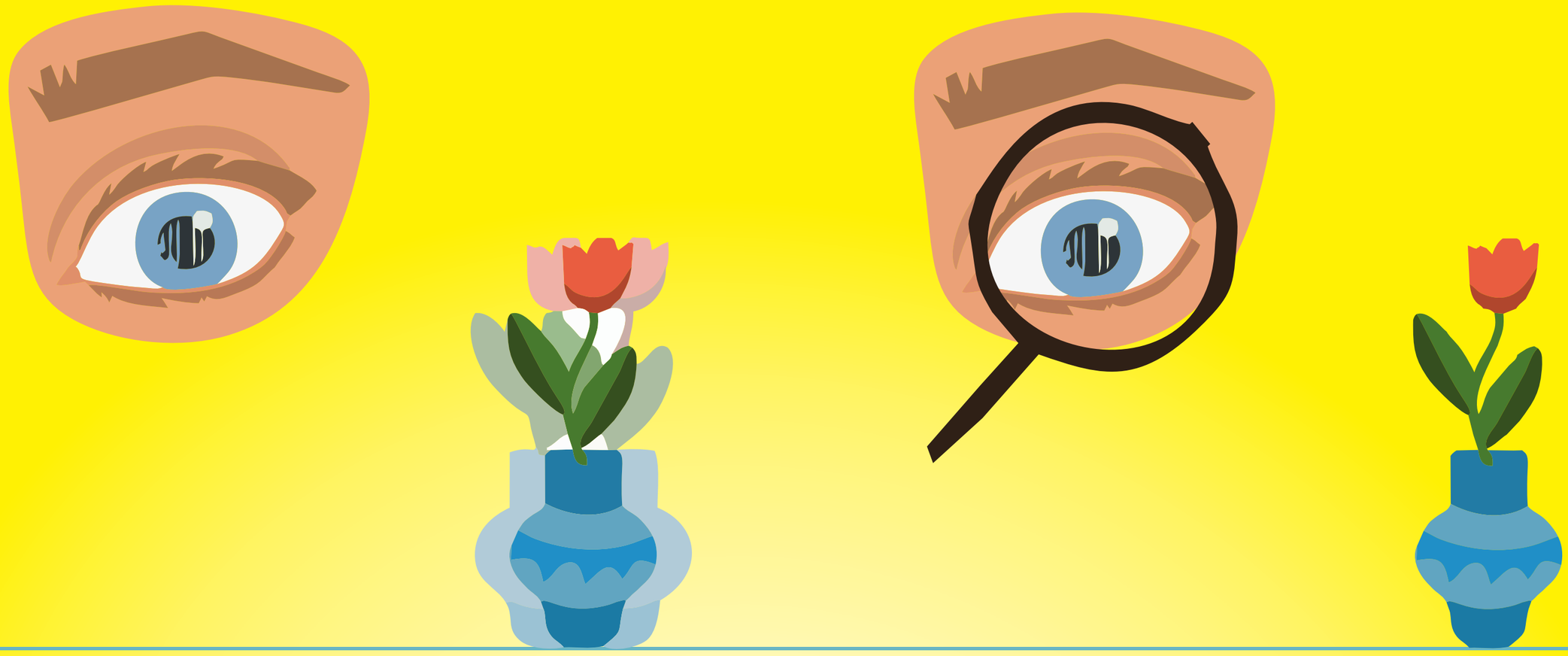

"निम्न दृष्टि" से ऐसी दशा अभिप्रेत है जिसमें व्यक्ति की निम्नलिखित में सें कोई एक स्थिति होती है, अर्थातः–

(1) बेहतर ऑख में सर्वाधिक संभव सुधार के साथ 6/18 से अनधिक या 20/60 से कम से 3/60 तक या 10/200 (स्नेलन) तक दृश्य सुतीक्ष्णता या

(2) 40 डिग्री से कम 10 डिग्री तक की कक्षांतरित दृष्टि की क्षेत्र परिसीमा

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- आँखें लाल होना।
- आँखों से पानी आना।
- भैंगापन ।
- अस्थिर आँखें।
- सिर को धुमाव कर केवल एक आँख से देखना।
- किसी वस्तु या किताब को देखने के लिए उसके पास तक जाना।
- एक आँख को ढ़क कर देखना।
- पढ़ते समय लाईन खो जाना।
- पढ़ते समय आँखो की जगह सिर को घुमाना।
- आँखों मे जलन व खुजली होना।
- धुंधला दिखाई देना।

रोकथाम

- वाह्य परिवेश में कार्य करते समय टोपी या काले चश्मे का प्रयोग करना चाहिए।
- चिकित्सीय परामर्श के अनुसार आवर्धक मैंग्नीफायर का प्रयोग करना चाहिए।
- लगातार कार्य करने से थकान होने की दशा में आँखों को विश्राम देना चाहिए।
- निम्न दृष्टि बालकों हेतु अच्छा प्रकाश और रंग विभेद आवश्यक होता है।
- चिकित्सक के द्वारा दृष्टि क्षमता एवं दृष्टि क्षेत्र का आकलन किया जाना चाहिए।
- अवशेष दृष्टि के अत्यधिक प्रयोग पर बल दिया जाना चाहिए

हस्तक्षेप/उपचार

- प्रकाश की उचित व्यवस्था करें।
- वस्तुओं को निश्चित स्थान पर रखें।
- आवश्यकता अनुसार आवर्धक लेंस का इस्तेमाल करें।
- अवरोधमुक्त वातावरण का निर्माण करें।
- ऑख मे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसका समय से ईलाज कराएँ।
- समय–समय पर आँखों की जाँच आवश्यक है।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइटः www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेलः niepmd@gmail.com, फोनः 044-27472423, 27472104 टॉल फी नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेलः crcgkpr@gmail.com, फोनः 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

मानसिक रूग्णता ?

" मानसिक रूग्णता " से चिंतन, मनोदशा, बोध, अभिसंस्करण या स्मरण शक्ति का अत्यधिक विकार अभिप्रेत है जो जीवन की साधारण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समग्र रूप से निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता की पहचान करने की क्षमता या योग्यता को प्रभावित करता है किन्तु जिसके अन्तर्गत मांसिक मंदता नही है जो किसी व्याक्ति के मस्तिष्क का विकास रूकने या अपूर्ण होने की स्थिति है, विशेष कर जिसकी विशिष्टता बुद्धिमता का सामान्य से कम होना है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

स्किजोफ्रेनिया

•सोच व्यवहार या भावना में समस्या

अंधविश्वास जो वास्तविक्ता से परे हो

ऐसी चीजों को देखना और सुनना जो मौजूद नहीं है

आत्महत्या करने का विचार आना

बाई पोलर विकार

•लंबे समय तक खुश या उत्तेजित रहना

•बहुत बेचैन या आवेश पूर्ण महसूस करना

अवसाद

•लंबे समय तक दुखी या उदास महसूस करना

•दोस्तों और परिवार से पीछे हटना

रोकथाम

•बचपन में गंभीर मनोवैज्ञानिक अघात का सामना

जैसे भावनात्मक शारारिक यौन शोषण

•महत्वपूर्ण प्रारम्भिक हानि जैसे माता-पिता को खोना

•दूसरों से संबंध करने के लिए व्यवहरिकता में कमी

•बेकार और परेशान परिवार

•अयोग्य और कम आत्मसम्मान, चिडचिडापन,

•गुस्सा और अकेलापन

•कार्य और विद्यालय का बदलाव

•सामाजिक और सांस्कृतिक उम्मीद

•मादक द्रव्यों का सेवन

हस्तक्षेप/प्रबंधन

•ध्यान

•परामर्श

•संज्ञानात्मक व्यवहार का उपचार

•व्यवहार चिकित्सा

•परिवार चिकित्सा

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

MENTAL ILLNESS ?

"Mental Illness" means a substantial disorder of thinking, mood, perception, orientation or memory that grossly impairs judgment, behaviour, capacity to recognize reality or ability to meet the ordinary demands of life, but does not include retardation which is a condition of arrested or incomplete development of mind of a person, specially characterized by subnormality of intelligence

-RPWD Act, 2016

Identification

1. Schizophrenia

- Range of problems with thinking, behavior or emotions.
- False beliefs that are not based in reality
- Seeing or hearing things that don't exist
- Suicidal thoughts

2. Bipolar Disorder

- feeling overly happy or “high” for long periods of time
- feeling extremely restless or impulsive

3. Depression

- feeling sad or hopeless for long periods of time withdrawing from friends and family

Causes / Prevention

- Severe psychological trauma suffered as a child, such as emotional, physical, or sexual abuse
- An important early loss, such as the loss of a parent
- Poor ability to relate to others
- A dysfunctional / disturbed family life
- Feelings of inadequacy, low self-esteem, anxiety, anger, or loneliness
- Changing jobs or schools
- Social or cultural expectations
- Substance abuse by the person or the person's parents

Intervention

- Medication
- Counselling
- Cognitive behaviour therapy,
- Behavioral therapy
- Family therapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD’s
- District Education Officer

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai
Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345
&
Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur
Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024
(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

MULTIPLE SCLEROSIS ?

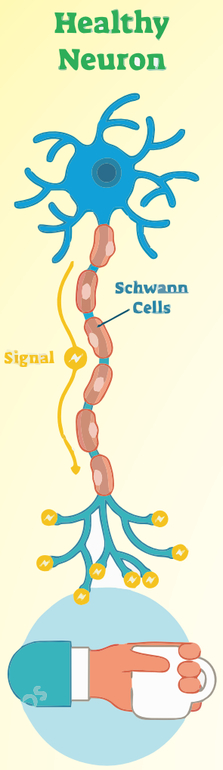

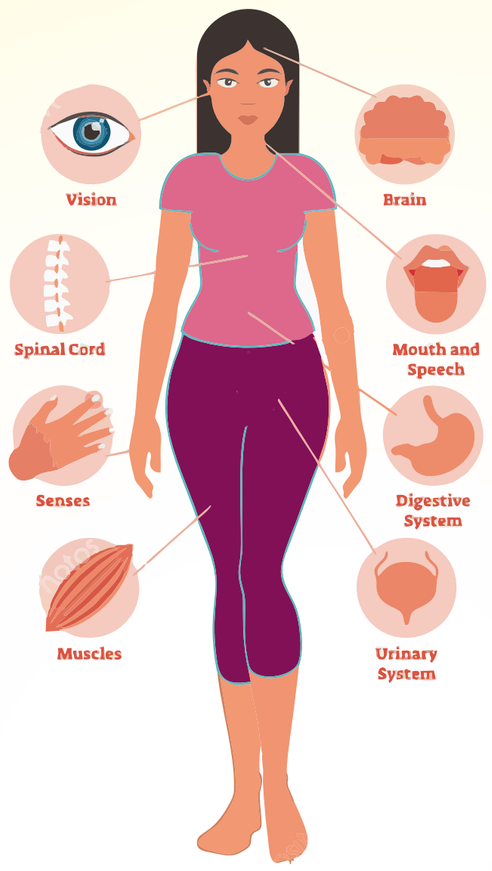

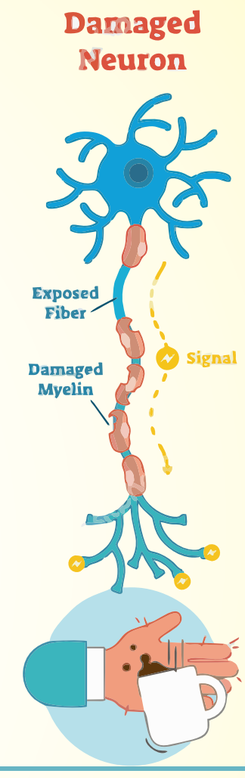

"Multiple Sclerosis" means an inflammatory, nervous system disease in which the myelin sheaths around the axons of nerve cells of the brain and spinal cord are damaged, leading to demyelination and affecting the ability of nerve cells in the brain and spinal cord to communicate with each other;

-RPWD Act, 2016

Identification

- Multiple sclerosis (MS) is a potentially disabling disease of the brain and spinal cord
- Vision problems
- Tingling and numbness
- Pain and spasms
- Fatigue and weakness
- Balance problems and dizziness
- Sexual dysfunction.

Causes

- The cause of multiple sclerosis is unknown.
- It's considered an autoimmune disease in which the body's immune system attacks its own tissues

Risk Factors include:

- Age
- Gender
- Family history
- Certain infections
- Stress
- Race
- Climate
- Vitamin D
- Certain autoimmune diseases
- Smoking

Intervention

- Medical evaluation and Medication
- Physical therapy
- Gait training
- Occupational therapy
- Aerobic exercise program
- Equipment modifications (mobility, self-care, and ergonomic)
- Environmental and behavioral modifications (home and job-site)
- Accessibletransportation
- Behavioural modification etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai
Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345
&
Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur
Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024
(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

पार्किन्सन रोग?

" पार्किन्सन रोग " से कोई तंत्रिका प्रणाली का प्रगामी रोग अभिप्रेत है, जो कम्प, पेशी कठोरता और धीमा, कठिन संचलन द्वारा चिन्हांकित होता है जो मुख्यतया मस्तिष्क के आधारीय दंडिका के अद्यपतन तथा तंत्रिका संचलन डोपामई के ह्रास से संबद्ध मध्य आयु और बृद्ध व्यक्तियों को प्रभावित करता है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- हाथो में कम्पन एवं माँशपेशियों में तनाव होना।
- सतुंलन एवं गतिशीलता में कमी होना।
- हाथ–पैर में कम्पन आना।

रोकथाम

- लगातार नीचे गिरने से बचना।
- दोनो हाथो में सामान लेकर चलने से बचाव करना।
- हाथ एवं कंधे को सीधा करके खड़ा होना।
- पैर एक साथ होने पर गिरने का खतरा एवं संतुलन के लिए पैरो में समानान्तर दूरी बनाएं रखना।
- पार्किन्सन्स आपके चलने की क्षमता को प्रभावित करता है, परन्तु नियमित व्यायाम से इसमे सुधार लाया जा सकता है।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- दवाओं का उपयोग करके ।
- पार्किन्सन्स के लक्षणो का प्रबंधन करके अथवा मस्तिष्क में डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डी बी एस) पद्धति द्वारा दूर किया जा सकता है।
- पार्किन्सन्स रोग का कोई इलाज नहीं है लेकिन इसे प्रंबधित किया जा सकता है, एवं रोग के लक्षणो से छुटकारा (या) कम किया जा सकता है।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फी नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

PARKINSON'S DISEASE ?

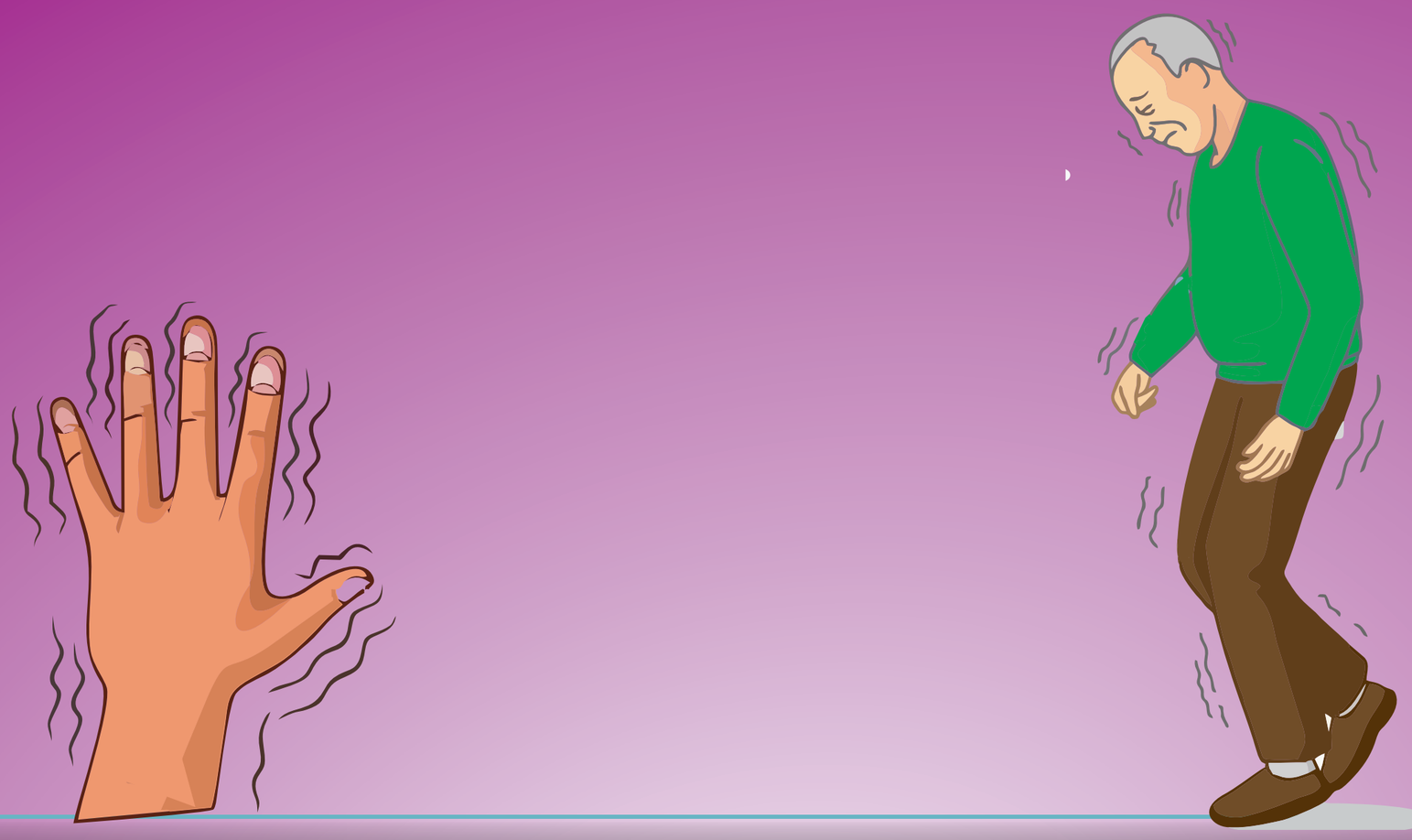

"Parkinson's Disease" means a progressive disease of the nervous system marked by tremor, muscular rigidity, and slow, imprecise movement, chiefly affecting middle-aged and elderly people associated with degeneration of the basal ganglia of the brain and a deficiency of the neurotransmitter dopamine.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Marked especially by tremor of resting muscles rigidity
- Slowness of movement impaired balance shuffling gait.
- Shaky hands & Feets (Tremors are slow & continuous)

Prevention

- Falls are a frequent complication of Parkinson's disease and preventing falls is very important.
- Never carry objects in both hands when walking as this interferes with balance.
- Try to stand with your feet shoulder width apart.
- When your feet are close together for any length of time, you increase your risk of losing your balance and falling.
- Parkinson's disease affects your ability to move, but exercise can help to keep muscles strong and improve flexibility and mobility.

Intervention

- Most Parkinson's disease treatments aim to restore the proper balance of the neurotransmitters acetylcholine and dopamine. This is usually done with medication.
Deep brain stimulation (DBS) is a way to inactivate parts of the brain that cause the symptom of Parkinson's disease.
- There is no cure for Parkinson's disease, but it can be managed -- and the symptoms of the disease can be relieved or reduced etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

पार्किन्सन रोग?

" पार्किन्सन रोग " से कोई तंत्रिका प्रणाली का प्रगामी रोग अभिप्रेत है, जो कम्प, पेशी कठोरता और धीमा, कठिन संचलन द्वारा चिन्हांकित होता है जो मुख्यतया मस्तिष्क के आधारीय दंडिका के अद्यपतन तथा तंत्रिका संचलन डोपामई के ह्रास से संबद्ध मध्य आयु और बृद्ध व्यक्तियों को प्रभावित करता है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- हाथो में कम्पन एवं माँशपेशियों में तनाव होना।
- सतुंलन एवं गतिशीलता में कमी होना।
- हाथ–पैर में कम्पन आना।

रोकथाम

- लगातार नीचे गिरने से बचना।
- दोनो हाथो में सामान लेकर चलने से बचाव करना।
- हाथ एवं कंधे को सीधा करके खड़ा होना।
- पैर एक साथ होने पर गिरने का खतरा एवं संतुलन के लिए पैरो में समानान्तर दूरी बनाएं रखना।
- पार्किन्सन्स आपके चलने की क्षमता को प्रभावित करता है, परन्तु नियमित व्यायाम से इसमे सुधार लाया जा सकता है।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- दवाओं का उपयोग करके ।
- पार्किन्सन्स के लक्षणो का प्रबंधन करके अथवा मस्तिष्क में डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डी बी एस) पद्धति द्वारा दूर किया जा सकता है।
- पार्किन्सन्स रोग का कोई इलाज नहीं है लेकिन इसे प्रंबधित किया जा सकता है, एवं रोग के लक्षणो से छुटकारा (या) कम किया जा सकता है।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फी नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

SICKLE CELL DISEASE ?

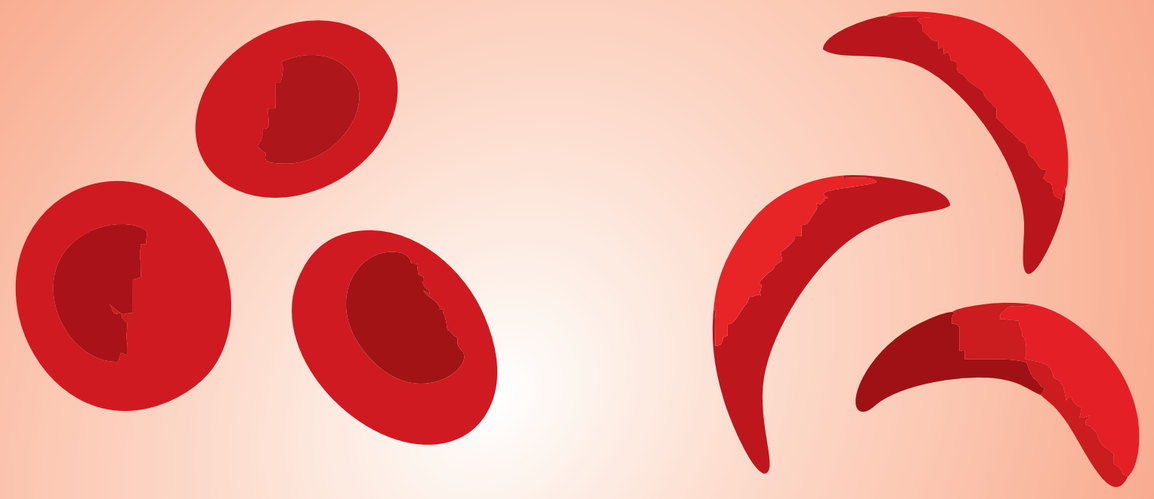

NORMAL BLOOD CELLS SICKLE CELLS

"Sickle Cell Disease" means a hemolytic disorder characterized by chronic anemia, painful events, and various complications due to associated tissue and organ damage; "hemolytic" refers to the destruction of the cell membrane of red blood cells resulting in the release of hemoglobin.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Fatigue and anemia
- Pain crises
- Swelling and inflammation of the hands and feet
- Arthritis
- Bacterial infections
- Sudden pooling of blood in the spleen and liver congestion
- Lung and heart injury
- Leg ulcers
- Aseptic necrosis and bone infarcts
- Eye damage

Causes / Prevention

- Take folic acid supplements daily, and choose a healthy diet.
- Drink plenty of water. Avoid temperature extremes
- Exercise regularly, but don't overdo it

Intervention

- Childhood vaccinations
- Blood transfusions
- Bone marrow transplant
- Gene therapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

सिक्कल कोशिका रोग?

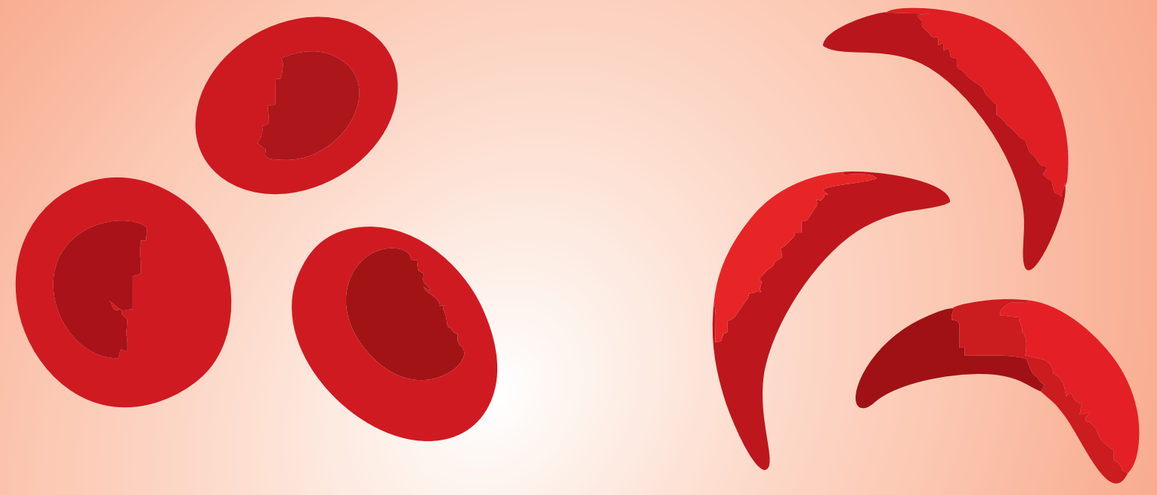

NORMAL BLOOD CELLS SICKLE CELLS

"सिक्कल कोशिका रोग" से होमोलेटिक विकृति अभिप्रेत है जो रक्त की अत्यंत कमी, पीडादायक धटनाओं औश्र जो सहबद्ध टिशुओं और अंगो को नुकसान से विभिन्न जटिलताओं में परिलक्षित होता हैः "हेमोलेटिक" लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली के नुकसान को निर्दिष्ट करता है जिसका परिणाम हिमोग्लोबिन का निकलना होता है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- थकान और एनीमिया
- दर्द संकट
- हाथ और पैर की सूजन और फूलना
- गठिया का रोग
- बैक्टीरियल संक्रमण
- फेफड़े और दिल की चोट
- पैर का अल्सर
- सड़न रोकने वाला नालियोसिल और हडडी इनफेरेटस
- नेत्र क्षति

रोकथाम

- दैनिक फोलिक एसिड की खुराक लें और स्वस्थ आहार चुनें
- तापमान की चरम सीमाओं से बचनें के लिए ज्यादा मात्रा में पानी पियें
- नियमित रुप से व्यायाम करें लेकिन इसे ज्यादा मत करें

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- बाल्यकालीन टीकाकरण
- ब्लड ट्रांसफ्यूजन
- अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण
- जीन चिकित्सा आदि।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

NIEPMD

Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइटः www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेलः niepmd@gmail.com, फोनः 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नंः 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेलः crcgkpr@gmail.com, फोनः 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

SPECIFIC LEARNING DISABILITIES ?

"Specific Learning Disabilities" means a heterogeneous group of conditions wherein there is a deficit in processing language, spoken or written, that may manifest itself as a difficulty to comprehend, speak, read, write, spell, or to do mathematical calculations and includes such conditions as perceptual disabilities, dyslexia, dysgraphia, dyscalculia, dyspraxia and developmental aphasia;

-RPWD Act, 2016

Identification

Difficulties in

- Oral expression.
- Listening comprehension.
- Written expression.
- Basic reading skills.
- Reading comprehension.
- Mathematics calculation.

- Children with learning disabilities struggle with school work more than their peers.

Causes

- Unknown region
- Heredity cause
- Illness during and after birth
- Stress during infancy
- High fever, head injury, or poor nutrition.

- Comorbidity: Children with learning disabilities are at a higher-than-average risk for attention problems or disruptive behavior disorders.

Intervention

- Psychological assessment
- Parental counseling
- Psychotherapy, cognitive behavior helpful in treating the emotional and behavioral problems
- Individualized educational support
- Speech therapy
- Occupational therapy etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

©Copyright of :
National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai
Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345
&
Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur
Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024
(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

विर्निदिष्ट विद्या दिव्यांगता ?

" विर्निदिष्ट विद्या दिव्यांगताओं " से स्थितियों का एक ऐसा विजातीय समूह अभिप्रेत है जिसमें भाषा को बोलने या लिखने की प्रक्रिया द्वारा आलेखन करने की कमी विद्यमान होती है जो समझने, बोलने, पढने , लिखने, अर्थ निकालने या गणतीय गणना करने में कमी के रूप में सामने आती है और इसके अन्तर्गत बोधक दिव्यांगता–डायसेलेसिया, डायसग्रेफिया, डायसकेलकूलिया, डायसप्रेसिया और विकासात्मक अफेसिया जैसी स्थितियां भी है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

निम्नलिखित में कठिनाई महसूस करना

- मौखिक अभिव्यक्ति
- सुनना
- समझना
- लेखन
- पढ़ना
- पढ़ कर समझना
- गणतीय आकलन

रोकथाम

- अज्ञात कारण
- अनुवांशिक कारक
- बीमारी जन्म के समय और जन्म के बाद
- शैशवास्था के दौरान तनाव
- अत्यधिक बुखार, सिर में चोट लगना या कुपोषण
- रूग्णता
- विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले बच्चे तुलनात्मक रूप से अत्यधिक या औसत अवधान समस्याओं व व्यावहारिक विकृतियों का सामना करते है।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- मनोवैज्ञानिक आकलन
- अभिभावक परामर्श
- मनोचिकित्सा आदि ।
- संज्ञानात्मक व्यवहार उनके संवेगिक और व्यावहारिक समस्याओं के निदान में सहायक होते है।
- व्यक्तिगत शैक्षणिक सहायता
- वाक् चिकित्सा
- व्यावसायिक चिकित्सा आदि

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

SPEECH & LANGUAGE DISABILITY ?

"Speech and Language Disability" means a permanent disability arising out of conditions such as laryngectomy or aphasia affecting one or more components of speech and language due to organic or neurological causes.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Fear in speaking certain sounds/situations
- Paralysis of Vocal cord
- Errors in pronunciation
- Removal of the entire larynx leads laryngectomy
- Weakness in Oral structures
- Presence of Substitution/Omission/Distortion /Addition
- Tongue tie, cleft palate, hearing loss can cause the Articulation error
- Injury to the brain-most commonly from a stroke lead to aphasia

Prevention

- Focus on Deep breathing
- Slow down the rate of speech
- Avoid certain words
- Check with the Hearing loss/Cleft lip or palate of the client
- Newborn screening help to identify the problem early & measures taken to reduce the impact of the disability.
- Check with the tongue-tie of the client
- Avoid use of tobacco and Cigarettes
- Use slow rate of speech during Conversation
- Provide good model of articulation.

Intervention

- Speech Therapy
- Language Therapy
- Audiological Management
- Medical Intervention
- Psychological Intervention
- Physiotherapy
- Occupational Therapy
- Special Education (As per need)
- Caregivers & Parental Counselling etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

वाक् और भाषा दिव्यांगता ?

" वाक् और भाषा दिव्यांगता " से लेराइनजेक्टोमी या अफेलिया जैसी स्थितियों से उद्भूत स्थायी दिव्यांगता अभिप्रेत है जो कार्बनिक या तंत्रिका संबंधी कारणों के कारण वाक् और भाषा के एक या अधिक संगठनों को प्रभावित करती है।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- कुछ अक्षरों/स्थितियों के बोलने में डरना।
- ध्वनियंत्र का पक्षाघात।
- अक्षरों के उच्चारण में दोष।
- ध्वनियंत्र को पूरी तरह से निकालना – ध्वनियंत्र उच्छेदन
- मुख के विभिन्न भागों (जीभ, होठ, तालु) में कमजोरी होना।
- अक्षरों में प्रतिस्थापन / विलोपन / विरुपम / जोड़ का उपस्थिति होना।
- जीभ में गाँठ, कटे–फटे होठ /तालु एवं श्रवण दोष के कारण उच्चारण दोष होना।
- मस्तिष्क में ज्यादातर चोट या आघात होने से वाचाघात् होना

रोकथाम

- गहरी साँस लेने पर ध्यान देना।
- बोलने की दर को धीमा करना।
- कुछ निश्चित शब्दों से बचना।
- कटे–फटे होठ /तालु एवं श्रवण दोष की जाँच करना।
- नवजात शिशु को सही समय पर जल्द से जल्द समस्या का पहचान करना एवं उनकी अक्षमता को कम करने का उपाय करना।
- जीभ की गाँठ को सही समय पर पहचान कर उपचार करना।
- तम्बाकू एवं धूमपान के उपयोग से बचना।
- बातचीत करते समय अपने बोलने की दर को धीमी करना । बातचीत करते समय अपने उच्चारण का ध्यान देना।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- वाक् चिकित्सा
- भाषा चिकित्सा
- श्रवण चिकित्सा
- चिकित्सा हस्तक्षेप
- मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप
- भौतिक चिकित्सा
- व्यावसायिक चिकित्सा
- विशेष शिक्षा (आवश्यकतानुसार)
- देखभाल करने वाले एवं अभिभावक परामर्श

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै
वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345
एवं
समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर
ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024
(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

THALASSEMIA ?

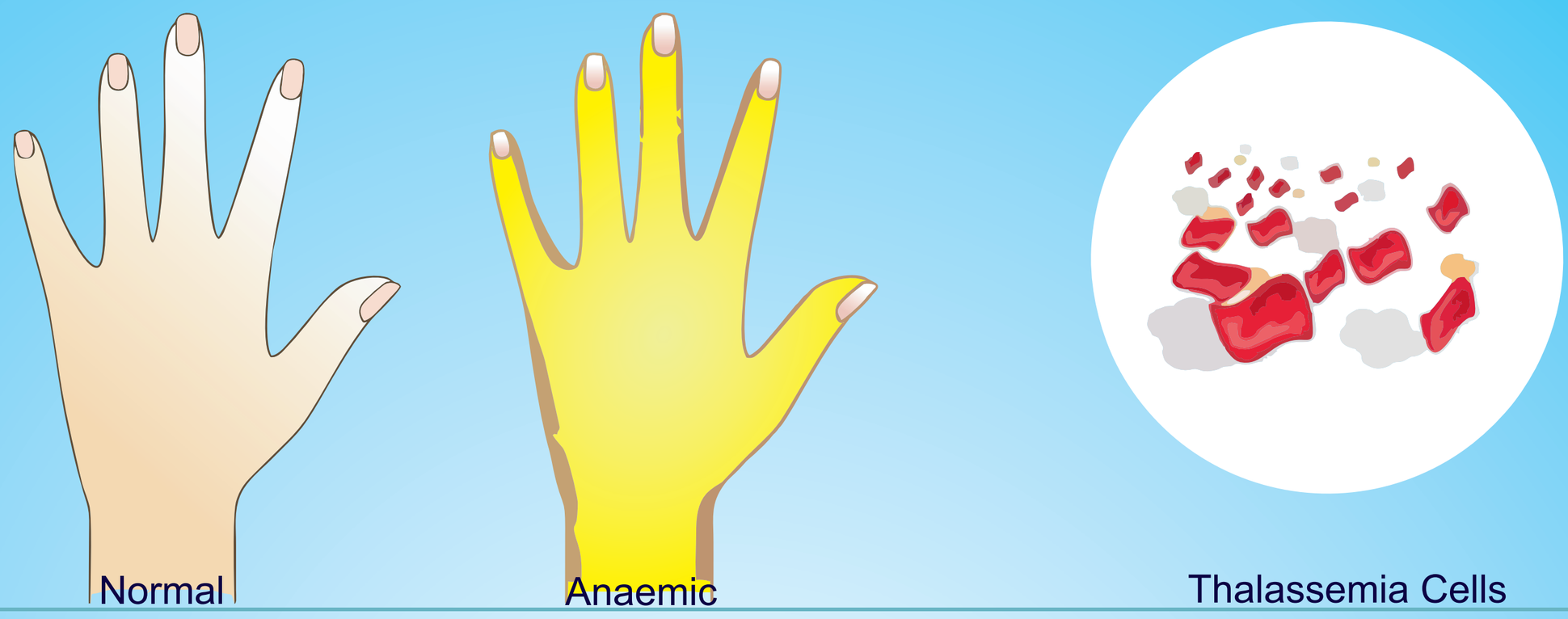

"Thalassemia" means a group of inherited disorder characterized by reduced or absent amounts of hemoglobin.

-RPWD Act, 2016

Identification

- Bone deformities in the face
- Fatigue
- Shortness of breath
- Yellow skin (jaundice)
- Dark urine
- Delayed growth and development
- Excessive tiredness and fatigue
- Irritability.
- Slow growth.
- A swollen abdomen
- Poor appetite

Prevention

- Improved treatment through a well-organized day transfusion service
- Providing optimal treatment for children with thalassemia
- Reduce, birth of more affected children.
- Genetic counselling for high risk couples and communities
- By calculating red blood cell indices on a hemogram carried out by an electronic counter.

Intervention

- Safe blood transfusions (free of transfusion-transmitted diseases)
- Prevention of iron overload.
- Test of hemoglobin electrophoresis.
- Physical examination
- Blood transfusions
- Bone marrow transplant
- Medications and supplements
- Limitation iron-rich foods etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

थेलेसीमिया ?

"थेलेसीमिया" से वंशानुगत विकृतियों का एक समूह अभिप्रेत है
जिसकी विशेषता हिमोग्लोबिन की कमी या अभाव है ।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- चेहरे में अस्थि विकृति
- थकान
- साझ की तकलीफ
- पीली त्वचा/पीलिया
- गहरे रंग का मूत्र
- विकास और वृद्धि में देरी
- अत्यधिक थकान और कमजोरी
- चिड़चिड़ापन
- धीमी वृद्धि
- पेट में सूजन
- खराब भूख

रोकथाम

- सुव्यवस्थित दिन एवं अधान सेवा के माध्यम से बेहतर उपचार
- थेलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए उपयुक्त उपचार प्रदान करना
- कम से कम प्रभावित बच्चों का जन्म होना उच्च जोखिम वाले जोड़ों और समुदायों के लिए आनुवांशिक परामर्श
- एक इलेक्ट्रॉनिक काउंटर द्वारा किए गए हीमोग्लोबिन पर लाल रक्त कोशिका सूचकांक की गणना करके

हस्तक्षेप/उपचार

- सुरक्षित रक्त दान
- शारीरिक परीक्षण
- रक्त ट्रांसफ्यूजन
- अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण
- दवाएं एवं खुराक
- लोहा समृद्ध खादय पदार्थ आदि की सीमाएं

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

© कॉपीराइट

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)- चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फ्री नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

MUSCULAR DYSTROPHY?

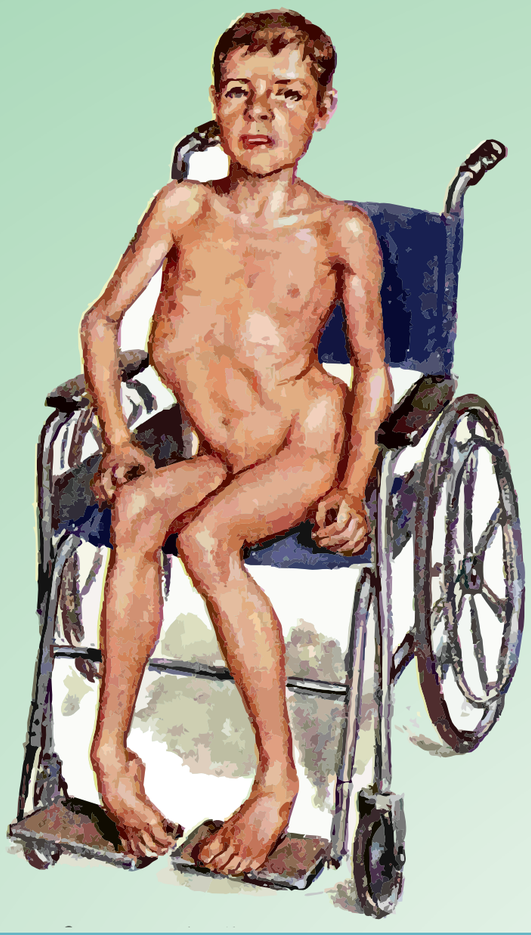

NORMAL MUSCLE

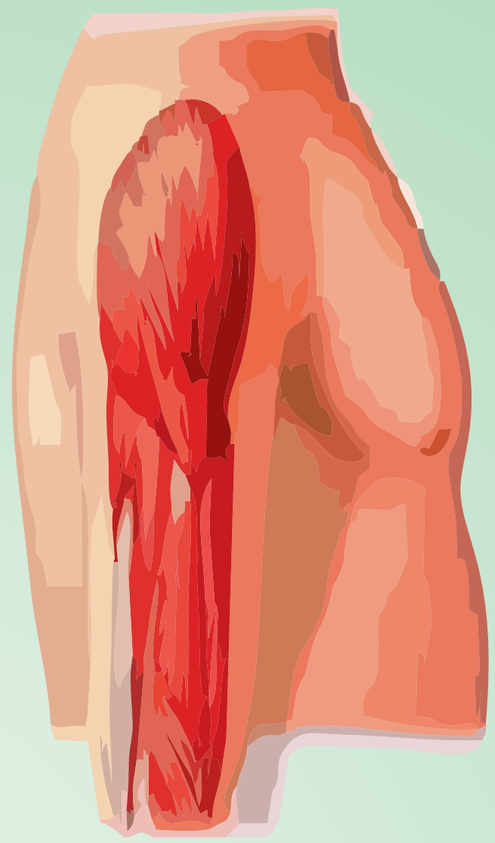

DEGENERATED MUSCLE

"Muscular Dystrophy" means a group of hereditary genetic muscle disease that weakens the muscles that move the human body and persons with multiple dystrophy have incorrect and missing information in their genes, which prevents them from making the proteins they need for healthy muscles. It ischaracterised by progressive skeletal muscle weakness, defects in muscle proteins, and the death of muscle cells and tissue;

-RPWD Act, 2016

Identification

- a waddling gait
- pain and stiffness in the muscles
- difficulty with running and jumping
- walking on toes
- difficulty sitting up or standing
- learning disabilities, such as developing speech later than usual
- frequent falls
- inability to walk
- the muscles of the heart can be weakened, leading to cardiac problems

Prevention

- Once a child has been conceived with the genes for muscular dystrophy, the disease cannot be prevented but quality of life can be improved.

Intervention

- Physical therapy
- General exercises:
  - A range of motion and stretching exercises
  - Aerobic exercises such as walking and swimming
- Breathing assistance
- Need to use a ventilator to breathe on their behalf.
- Mobility aids:
  - Canes, wheelchairs, and walkers can help the person stay mobile.
- Braces etc.

For Rehabilitation & Other Services, Please Contact:

- Nearest Primary Healthcare Centre
- District Hospitals
- District Early Intervention Centres(DEIC)
- District Social Welfare / Disability Welfare Officer
- District Disabled Rehabilitation Centres(DDRCs)
- Composite Regional Centres (CRCs)
- National Institutes Dealing with PwD's
- District Education Officer

NIEPMD

स्वावलम्बन Swavlamban

C.R.C.-Gorakhpur

©Copyright of :

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (Divyangjan)-Chennai

Website : www.niepmd.tn.nic.in, Email : niepmd@gmail.com, Phone : 044-27472423, 27472104, Toll Free No.: 1800-425-0345

&

Composite Regional Centre for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (CRC)-Gorakhpur

Email : crcgkpr@gmail.com,Phone : 0551-2202024

(DEPWD, MSJ&E, GOVT. OF INDIA)

पेशीयदुष्पोषण (मस्कुलर डिस्ट्रॉफी) ?

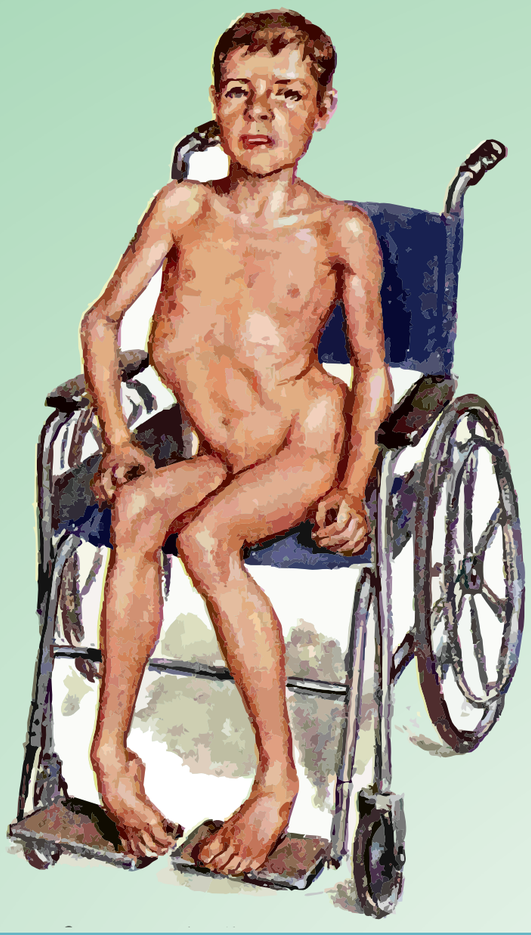

सामान्य मसल

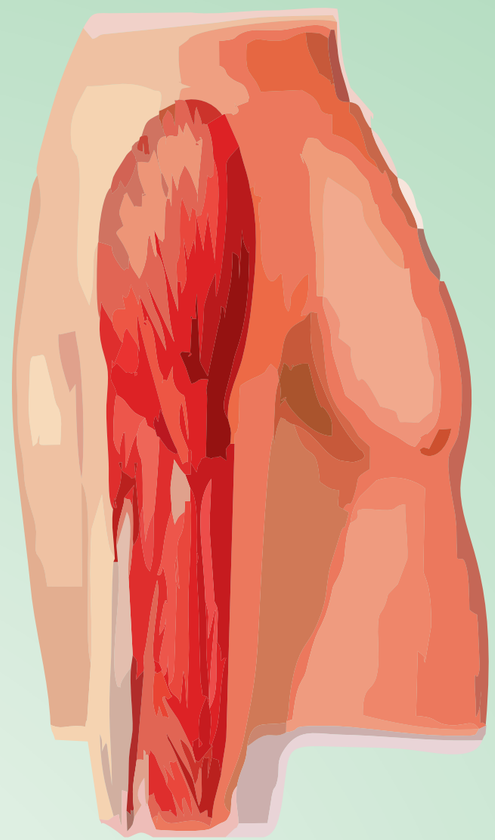

विघटित मसल

"पेशीयदुष्पोषण" से वंशानुगत, आनुवांशिक पेशो रोग का समूह अभिप्रेत है जो मानव शरीर को संचलित करने वाली पेशियों को कमजोर कर देता है और बहुदुष्पोषण के रोगी व्यक्तियों के जीन में वह सूचना अशुद्ध होती है या नही होती है जो उन्हे उस प्रोटीन को बनाने से निवारीत करती है जिसकी उन्हे स्वस्थ पेशियों के लिए आवश्यकता होती है, इसकी विशेषता प्रगामी कंकाल पेशी की कमजोरी, पेशी प्रोटीनों में त्रुटि और पेशी कोशिकओं और टिशुओं की मृत्यु है ।

आर.पी.डब्ल्यू.डी.एक्ट, 2016

पहचान

- डगमगाती चाल।
- मांसपेशियों में दर्द और जकड़न।
- दौड़ने और कूदने में कठिनाई।
- पैर की उंगलियो पर चलना।
- बैठने या खड़े होने में कठिनाई।
- सीखने की अक्षमता, जैसे की भाषा बाद मे विकसित होना।
- बार – बार गिरना।
- चलने में असमर्थता।
- हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं।

रोकथाम

- यदि एक बार बच्चा इस बीमारी के लक्षणों के साथ माँ गर्भ में आ जाता है तब इस बीमारी को रोका नहीं जा सकता लेकिन जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

हस्तक्षेप/प्रबंधन

- भौतिक चिकित्सा ।
- सामान्य व्यायाम ।
- गति व्यायाम और खीचंने के व्यायाम
- ऐरोबिक व्यायाम जैसे चलना और तैरना ।
- साँस लेने के लिए वेंटिलेटर का उपयोग करने की आवश्यकता।
- गतिशीलता एड्स।
- केंस, व्हील चेयर और
- वॉकर व्यक्ति को गतिशील रहने मे मद्द कर सकते हैं।
- ब्रेसिज आदि ।

पुनर्वास तथा अन्य सेवाओं के लिए सम्पर्क करें :

- नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- जिला अस्पताल
- जिला शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र
- जिला समाज कल्याण / दिव्यांग कल्याण अधिकारी
- जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र
- समेकित क्षेत्रीय केन्द्र
- दिव्यांगजनों हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्थान
- जिला शिक्षा अधिकारी

NIEPMD

© कॉपीराइट

C.R.C.-Gorakhpur

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तीकरण संस्थान (दिव्यांगजन)– चेन्नै

वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in, ई–मेल: niepmd@gmail.com, फोन: 044-27472423, 27472104 टॉल फी नं: 1800-425-0345

एवं

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केन्द्र (सी.आर.सी.)-गोरखपुर

ई–मेल: crcgkpr@gmail.com, फोन: 0551-2202024

(डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी., सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)